

Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to set up baffle ranges in place of existing firing butts in Meerut,Uttar Pradesh-laid

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): आज्ञादी के समय से मेरठ छावनी स्थित फायरिंग रेंज में A से लेकर I तक कुल नौ बट्स थे जिनमें बाद में छः बट्स बंद हो गए -A, B, C, D, H तथा I, अब सिर्फ 3 बट्स ही काम कर रहे हैं। इन बट्स में खुले आकाश के नीचे मिट्टी के टीले बनाकर फायरिंग की जाती है जिनसे चलने वाली गोलियाँ लगभग तीन साढ़े तीन किलोमीटर तक निकल जाती हैं। इसकी वजह से सोफीपुर, मामेपुर, ललसाना, उल्देपुर तथा पल्हेड़ा के ग्रामीणों और पशुओं की सुरक्षा खतरे में रहती है। बफल रेंज के तहत बनाई जाने वाली विशेष तरह की फायरिंग रेंज चहारदीवारी के अन्दर होती है तथा इसमें ऊपर से नीचे की ओर फायरिंग की जाती है। इस रेंज में चलने वाली गोलियों के छिटकने या आम जनता के घायल होने की आशंका नहीं होती है। मेरठ छावनी में ऐसी रेंज के लिए पर्याप्त 3.5 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र भी उपलब्ध है। लगभग 3 वर्ष पूर्व उपरोक्त प्रकार की एक बफल रेंज बनाये जाने के लिए मैं केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि मेरठ में वर्तमान में काम कर रहीं बट्स के स्थान पर दो और बफल रेंज बना दी जाएँ तो मेरठ की फायरिंग रेंज डेंजर जोन में चिन्हित होने के दायरे से बाहर हो जायेगी तथा सोफीपुर, मामेपुर, ललसाना, उल्देपुर व पल्हेड़ा के ग्रामीणों व पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही कम मारक क्षमता वाले छोटे हथियारों द्वारा फायरिंग अभ्यास करने के कारण उपरोक्त गाँवों के किसानों की खेती की लगभग 600 एकड़ जमीन बन्धमुक्त हो जाएगी तथा वह अपनी जमीन का इस्तेमाल अपनी मर्जी से कर सकेंगे।